भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

20.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3332 का उत्तर

वैगन टर्नअराउंड टाइम और मालगाड़ी के डिब्बों का खाली परिचालन

3332. श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 2018-19 और 2023-24 के बीच वैगन टर्नअराउंड टाइम (डब्ल्यूटीआर) बिना किसी महत्वपूर्ण सुधार के लगभग पांच दिन पर ही बना हुआ है;

(ख) क्या वर्ष 2023-24 में, मालगाड़ी के डिब्बे (वैगन) कुल तय की गई दूरी के लगभग 37 प्रतिशत हिस्से तक खाली चले और क्या उक्त अवधि के दौरान खाली परिचालन वाले वैगनों का प्रतिशत वार्षिक रूप से बढ़ा है;

(ग) क्या सरकार ने परिवहन क्षमता के उपयोग और राजस्व की हानि पर खाली परिचालन में वृद्धि के प्रभाव का आकलन किया है; और

(घ) खाली परिचालन को कम करने और मालडिब्बों (वैगन) की उत्पादकता को बेहतर बनाने के लिए क्या सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं?

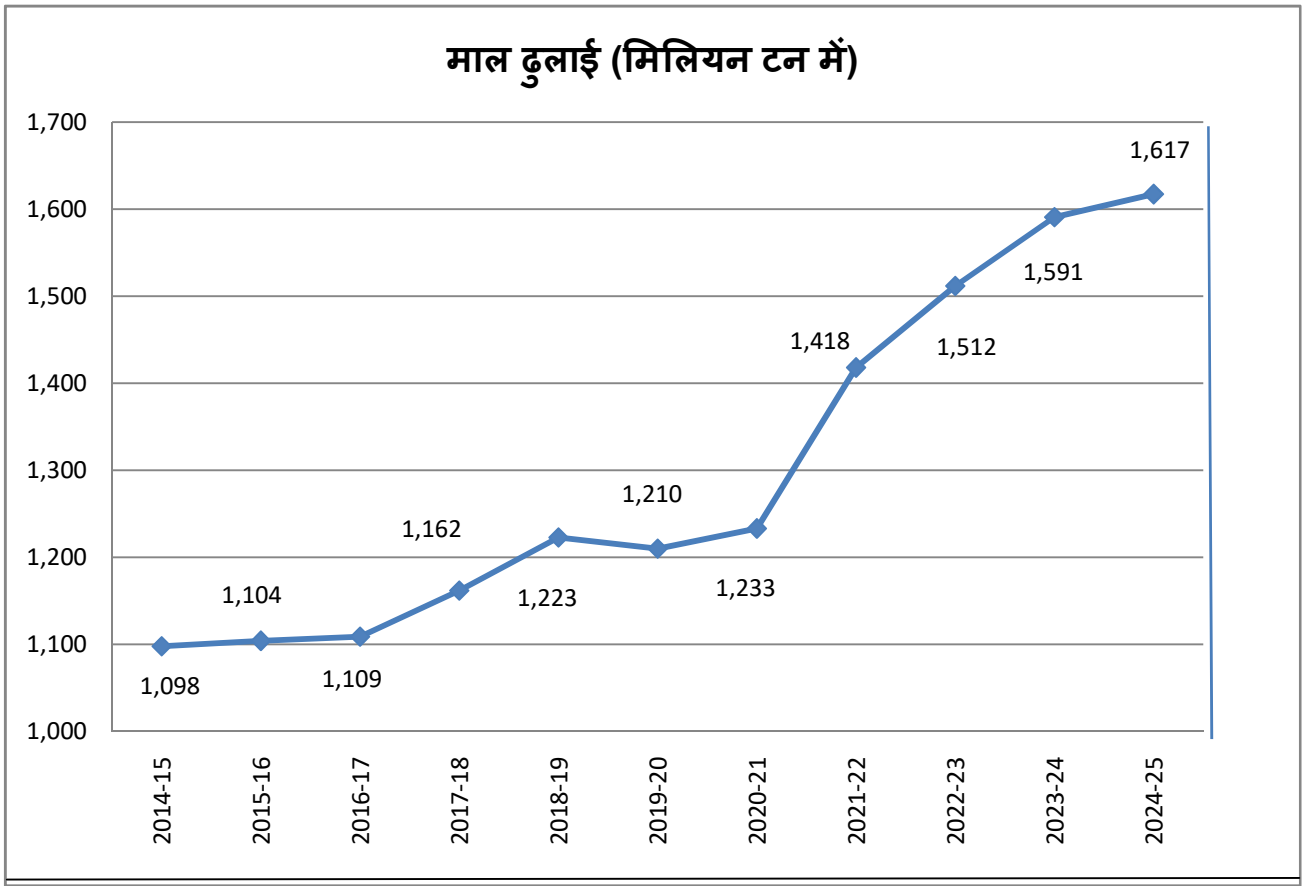
उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल ने पिछले कुछ वर्षों में माल लदान एवं राजस्व को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। 2014 से माल ढुलाई का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	माल ढुलाई (मिलियन टन में)
2014-15	1,098
2015-16	1,104
2016-17	1,109
2017-18	1,162
2018-19	1,223
2019-20	1,210
2020-21	1,233
2021-22	1,418
2022-23	1,512
2023-24	1,591
2024-25	1,617



उपरोक्त उपायों के परिणामस्वरूप, माल लदान 2020-21 में 1,233 एमटी से बढ़कर 2024-25 में 1617 एमटी हो गया है। 2024-25 के दौरान, भारतीय रेल ने 1617 एमटी माल का परिवहन किया, जिससे यह विश्व की दूसरी सबसे बड़ी माल ढुलाई करने वाली रेलवे बन गई। किए गए उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने और माल डिब्बा टर्न अराउंड में सुधार लाने के लिए, नई लाइनों का निर्माण, मौजूदा लाइनों का बहु-पथन और मौजूदा लाइनों का आमान परिवर्तन करके बड़े पैमाने पर रेल नेटवर्क का विस्तार कार्य शुरू किया गया है। 10 वर्षों के दौरान बिछाई गई नई पटरियों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ
2009-14	7,599 कि.मी.
2014-25	34,428 कि.मी.

इसके अतिरिक्त 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, कुल 431 परियोजनाएं (154 नई लाइन, 33 आमान परिवर्तन और 244 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। इसका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	**परियोजनाओं की संख्या**	**कुल लंबाई (कि.मी.)**	**मार्च 2025 तक पूरी की गई लंबाई (कि.मी.)**	**शेष लंबाई कि.मी.)**	**लागत (करोड़ रु.)**
नई लाइन	154	16,142	3,036	13,105	3,77,389

आमान परिवर्तन	33	4,180	2,997	1,183	43,820
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	244	15,644	6,736	8,909	2,53,711
कुल	431	35,966	12,769	23,197	6,74,920

- माल डिब्बों और इंजनों का प्रापण: माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने के लिए, भारतीय रेल में माल डिब्बों का बड़ी संख्या में प्रापण किया गया है और इंजनों का निर्माण किया गया है। वर्ष 2014 से 2025 के दौरान, लगभग 2 लाख माल डिब्बों का प्रापण किया गया और माल लदान तथा गतिशीलता बढ़ाने के लिए 10,000 से अधिक इंजन शामिल किए गए हैं।
- यार्ड का पुनर्निर्माण, बाइपास/कॉर्ड लाइन का निर्माण, रेल फ्लाईओवर आदि के द्वारा परिचालन संबंधी बाधाओं को दूर करना।
- लुधियाना से सोननगर (1337 कि.मी.) तक पूर्वी समर्पित माल गलियारा (ईडीएफसी) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी (1506 कि.मी.) तक पश्चिमी समर्पित माल गलियारा (डब्ल्यूडीएफसी) का निर्माण शुरू किया जा चुका है। कुल 2843 कि.मी. में से 2741 मार्ग कि.मी. (96.4%) को कमीशन किया जा चुका है और परिचालित किया जा रहा है।
- भारतीय रेल ने रेल लाइनों के विद्युतीकरण कार्य को मिशन मोड में शुरू किया है। अब तक लगभग 99.4% बड़ी लाइन नेटवर्क को विद्युतीकृत किया जा चुका है। वर्ष 2014 के पहले और बाद के विद्युतीकरण कार्य की तुलना इस प्रकार है:

अवधि	मार्ग किलोमीटर
2014 से पूर्व	21,801
2014-25 (फरवरी, 2026 तक)	47,966

- सामान्य प्रयोजन के माल डिब्बों, विशेष प्रयोजन/उच्च क्षमता वाले माल डिब्बे सीमेंट, तेल, स्टील, फ्लाई-एश, ऑटोमोबाइल आदि के लिए ऑटोमोबाइल वाहक माल डिब्बों में निवेश में उद्योग की भागीदारी। वित वर्ष 2024-25 में, लगभग 240 विशेष प्रयोजन वाले माल डिब्बों के रेक, 374 सामान्य प्रयोजन वाले माल डिब्बों के रेक और 48 ऑटोमोबाइल माल डिब्बों के रेक शामिल किए गए हैं।
- 'गति शक्ति मल्टी-मोडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी)' नीति के अंतर्गत अब तक 128 नए जीसीटी कमीशन किए गए हैं, जिनकी अनुमानित यातायात क्षमता 198 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2023-24 से माल और पार्सल टर्मिनलों के सुधार लाने के लिए 14,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
- रेलवे सुधारों के तहत थोक सीमेंट परिवहन को सुगम बनाने के लिए हाल ही में रेल भूमि पर टर्मिनल स्थापित करने के लिए "थोक सीमेंट टर्मिनल नीति" शुरू की गई है।
- मांग के अनुसार रेक/माल डिब्बों की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- प्रति माल डिब्बा अतिरिक्त यातायात परिवहन की क्षमता बढ़ाना। प्रति गाड़ी थ्रूपुट बढ़ाने के लिए मालगाड़ी की लंबाई भी बढ़ाई गई है।
- माल परिचालन में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करना ताकि परिसंपत्तियों की निगरानी और उपयोगिता में सुधार साया जा सके।

- उच्च अश्वशक्ति वाले इंजनों को शामिल करना।
- माल डिब्बों और इंजनों की अनुरक्षण पद्धतियों में सुधार के परिणामस्वरुप यातायात उपयोग के लिए इंजनों और चल स्टॉक की बढ़ी हुई उपलब्धता।
- अधिक यातायात के परिवहन के लिए रेलपथ और सिगनल प्रणाली के मानकों में सुधार।
- कर्मचारियों और अधिकारियों को नई प्रौद्योगिकी और प्रबंधन पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रशिक्षण देना।

इसके अलावा, भारतीय रेल ने माल ढुलाई युक्तिकरण, थोक और छोटे कार्गो के परिवहन के लिए विभिन्न माल ढुलाई प्रोत्साहन योजनाओं को अपनाने और विभिन्न रियायतों और सेवाओं के माध्यम से माल ढुलाई खंड में सुधार में वृद्धि करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- टंकी कंटेनरों में थोक सीमेंट के लिए सकल टन किलोमीटर आधारित ढुलाई दर की शुरूआत।
- तेजी से बिकने वाली उपभोक्ता वस्तुएँ (एफएमसीजी), व्हाइट गुड्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव घटकों आदि को बढ़ावा देने के लिए कार्गो एग्रीगेटर परिवहन उत्पाद।
- पारंपरिक रूप से खाली दिशाओं में उदारीकृत स्वचालित मालभाड़ा छूट योजना।
- कम गमन दूरी के यातायात पर रियायत।
- खुले/सपाट स्टॉक और ढके हुए मालडिब्बों में बुक किए गए फ्लाई ऐश/बेड ऐश यातायात के मालभाड़े में छूट।
- ऑटोमोबाइल यातायात की ढुलाई दर का युक्तीकरण।
- व्यस्त मौसम शुल्क लगाने से छूट प्रदान करके पूर्वोत्तर क्षेत्र में बांस परिवहन को बढ़ावा देना।
- ऑटोमोबाइल स्टॉक की क्षमता बढ़ाने के लिए, विभिन्न नए मालडिब्बों जैसे एसीटी I, एसीटी II, एसीटी III, एनएमजीएचएस आदि पेश किए गए हैं।
- केमिकल जिप्सम और टाइल्स यातायात के कंटेनरों के खाली ढुलाई पर छूट।
- पोटेशियम सल्फेट, अमोनियम बाइकार्बोनेट फूड ग्रेड, आरयूएफ पिच, द्रवीकृत आइसोब्यूटाइलिन, द्रवीकृत इथेन आदि जैसी नई वस्तुओं का वर्गीकरण।

माल ढुलाई गाड़ियों की आवाजाही की माल परिचालन सूचना प्रणाली (एफओआईएस) के माध्यम से लगातार निगरानी की जाती है। एम्पटी रनिंग कम करने और माल डिब्बों की उत्पादकता में वृद्धि करने के, निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

- **पारंपरिक खाली प्रवाह दिशा नीति**: खाली प्रवाह दिशा में यातायात लदान के लिए ग्राहकों को माल भाड़ा छूट (15-20% तक) प्रदान करना।
- **गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी):** लदान/उतराई स्थानों पर रूकौनी समय को कम करने के लिए टर्मिनलों के विकास कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं।
- **स्थिर परिसंपत्ति अनुकूलन**: माल और यात्री यातायात को अलग करने के लिए हाई-स्पीड माल ढुलाई रेल इंजनों का उपयोग और **समर्पित माल ढुलाई गलियारों** को कमीशन किया गया है।
- **गतिशील मूल्य निर्धारण**: बैक-हॉल यातायात को बढ़ावा देने के लिए "राउंड ट्रिप" लदान के लिए विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं कार्यान्वित की गई हैं।

*****